फार्मिंग द सिटी

25-30 अप्रैल, 2020 | 3-4 बजे

रजिस्ट्रेशन लिंक: https://is.gd/KaT8t0

दिन	विषय	प्रस्तुति का शीर्षक	वक्ता	संचालक
अप्रैल 25	परिचय	स्वागत वक्तव्य	राजेन्द्र रवि	
		परिदृश्य से अदृश्य होती खेती: दिल्ली में शहरी खेती का अध्ययन [जन संसाधन केंद्र द्वारा प्रकाशित]	जन संसाधन केंद्र	
		प्रमुख निष्कर्षों पर संक्षिप्त प्रस्तुति	निशांत	राजेन्द्र रवि
		फ़ोटो प्रदर्शनी : दिल्ली में शहरी खेती की झलक	जो अथियलि, अविकल पराशरी	राजेन्द्र रवि
अप्रैल 26	शहरी कृषि की रूपरेखा	शहरी भोजन तंत्रों का रूपांतरण	डॉ. लक्ष्मी उन्नीत्तन	बसंत हेतमसरिया
		शहरी खेती की दुनिया में कदम : कंक्रीट में जड़ों की खोज	कपिल मंडवेवाला	
		शहरी खेती: संभावनाएं और सीमाएं - बेंगलुरु का एक केस	मनसा कंबन्ना	
अप्रैल 27	शहरीकरण और शहरी खेती	परिधियों की परिकल्पना : दिल्ली में यमुना कछार पर खेती और नियोजन	अनुभव प्रधान	मधुरेश कुमार
		भारतीय शहरों में शहरी कृषि : संवहनीयता और संबंधित चुनौतियाँ	विशाल शौकीन	
		भारत के शहरी केंद्रों की सिकुड़ती जगहों में कृषि संस्कृति का विकास	जागृति पंडित	
अप्रैल 28	शहर में सद्भावना	छत बन गयी भोजन का जरिया	नंद लाल मास्टर	रुचि वर्मा
		प्रकृतिवादियों को प्रोत्साहन : शहरी खेती के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने की एक कहानी	देबोरा दत्ता	
अप्रैल 29	शहर का कचरा	शहर के लिए कम्पोस्ट, अपने लिए कृषि - कचरे से होती शहरी कृषि का एक अध्ययन	नृपजा भिड़े, प्रिया भिड़े	राजेन्द्र भिसे
		जैविक कचरे से जैव उर्वरक: शहरी खेती के लिए एक दृष्टिकोण	हरि शंकर, ईशा विशान	
अप्रैल 30	'भविष्य के शहर: खेती और टिकाऊ शहरीकरण के सवाल' वक्ता : **आशीष कोठारी** और **सोपान जोशी**			राजेन्द्र रवि

Farming The City

A People's Convention on Urban Agriculture

prc.india@yahoo.com prcindia.in idsinitiative@gmail.com